जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर

गाजरघास उन्मूलन जन–सहभागिता से संभव

कृषि विज्ञान केन्द्र जबलपुर, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 16 से 22 अगस्त 2019 तक गाजरघास उन्मूलन सप्ताह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के संयोजक डॉ डी.के. सिंह, डॉ नीलू विश्वकर्मा, डॉ प्रमोद शर्मा ने सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर से गाजर घास को उखाड़ कर किया । आदिवासी बाहुल्य गांव टिकरिया कुंडम में ग्रामीण महिलाओं एवं किसानों को गाजरघास से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया गया तथा गाजरघास को फूल आने से पहले जड़ से उखाड़ने की सलाह दी गई । न्यूट्री स्मार्ट ग्राम तिवारीखेड़ा एवं सिहोदा में युवाओं को गाजरघास से होने वाली क्षति को बताया गया तथा उनके साथ मिलकर जन–सहभागिता से गाजरघास को उखाड़ा गया । खरपतवार अनुसंधान केन्द्र से प्राप्त मैक्सीकन बीटल कीट को भी गाजरघास उन्मूलन हेतु छोड़ा गया । कार्यक्रम का समापन कृषि विज्ञान केन्द्र जबलपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ रश्मि शुक्ला की अध्यक्षता में किया गया । इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. ए.के.सिंह, डॉ नीलू विश्वकर्मा, डॉ अक्षता तोमर, डॉ नितिन सिंघई, डॉ आभा मिश्रा एवं श्रीमती जीजी एनी एब्राहम उपस्थित रहीं । कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना, कृषि महाविद्यालय जबलपुर के छात्र–छात्राओं को गाजरघास के बारे में विस्तार से बताया गया एवं मैक्सीकन बीटल कीट द्वारा गाजरघास को नष्ट करने की विस्तृत जानकारी दी गई । इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक एवं रासेयो के स्वयंसेवकों ने शपथ लेकर गाजरघास को जन अभियान के माध्यम से नष्ट करने की बात कही।

गाजर घास उन्मूलन सप्ताह

आदर्श
आँगनबाड़ीकेंद्र
गाजर घास उन्मूलन